मेरा जीवन बदल गया !!!

मै नेनकीलाल / प्रभुलाल सहरिया गांव गोरधनपुरा ,तहसील : किशनगंज जिलाःबारां, राजस्थान का निवासी हूं । मेरे परिवार में 4 सदस्य हैए मेरे पिताजी,पत्नि व एक लडकी । मै तीसरी कक्षा तक पढा हुआ हु। मेरे पास कुल 5 बिघा भुमि है । दो रुम का कच्चा मकान है व 5 मूर्गीयां है । मै और मेरी पत्नि मेरे स्वयं का खेती का कार्य नही रहता है तब मजदुरी करने जाते है ।

बायफ संस्था की परियोजना में पहली बार मै 2005 में जूडा था, उससे पहले मै प्रति दिन 40–50 रूप्ये की मजदुरी पर जाता था, दारू पीता था। 12 माह में 6 महिना मजदुरी मिलती थी, । मेरी मासिक कुल आय 1500 रूपये थी उससे मेरे परिवार का गुजारा चलाने में कठिनाई आती थी।

एक दिन मेरे घर पर बायफ के कार्यकर्ता आये ,और मेरे साथ बात–चर्चा की । ऐसे तो मेरे पास अन्य विभाग से बहुत लोग आते थे, क्योंकि मेरा नाम बी.पी.एल. मे है, और कुछ लाभ सरकार से लेने को कहते थे और स्वयं भी उसमें से कुछ हिस्सा मांगते थे । परंतु बायफ संस्था के कार्य कर्ता ने मुझसे कुछ अलग हट कर बात की। बात में कुछ दम था । मैनें वाडी कार्यक्रम में हिस्सा लिया परंतु वाडी का मेरे द्वारा घ्यान नही रखने की वजह से वाडी के सभी पौधे सुख गये ।

एक बार फिर बायफ संस्था के कार्यकर्ता व अधिकारी मेरे पास आये मुझे एक घंटे तक समझाया । वह मेरे हित में बात कर रहे थे ऐसा मुझे महसूस हुआ । और मेने भी उनकी बात समझकर फिर परियोजना में जूडने का फैसला किया । प्रारंभ में मुझे शैक्षणिक भ्रमण में घटोल, बांसवाडा ले गये , वहां आदिवासियों का विकास हुआ देखकर अच्छा लगा सिखने का तो मिला ही परंतु और संस्था पर विश्वास और बढ गया । मैने अच्छी तरह से जांच किया परंतु संस्था ने मेरे पास कभी कुछ मांगा नही बल्कि मुझे नियमित रूप से मार्गदर्शन व लाभ देने के लिए मेरे घर पर बायफ संस्था के कार्यकर्ता आने लगे । मेरा विश्वास बढता गया और मै भी अच्छी महेनत करने लगा।

वाडी के साथ–साथ मेरे घर में सभी को दो समय की रोटी उपलब्ध कराने हेतु सबसे पहले तो बायफ संस्था ने मुझे चुनाई हेतु कारीगर का कार्य सिखाया, और उससे संबन्धित कार्य दिया ।मैने भी महेनत कर अच्छा कार्य सिख लिया। मुझे संस्था ने बाथरूम बनाने का कार्य दिया। मैने उनके मार्गदर्शन में बाथरूम बनाने का कार्य किया ।मुझे आत्म विश्वास बढ गया । अब मुझे एक सौ पचास रूपये कारीगर की मजदुरी मिलने लगी है । मेरी वाडी में 30 पौधे जिवीत है ।
बायफ संस्था के कार्यकर्ता व अधिकारी के संपर्क में रहने व उनके लगातार विश्वास व प्यार मिलने से मेरा दारू पिना कब व कैसे छुट गया यह मुझे पता नही चला।

एक दिन बायफ संस्था ने मुझे व मरी पत्नी को बुलाकर नर्सरी का प्रशिक्षण ही नही बल्कि नर्सरी प्रारंभ करने हेतु बायफ कार्यकर्ता ने स्वयं की जेब से 4500 रूपये उधार दिया । उनके मार्गदर्शन में मैने व मरे परिवार ने नर्सरी का कार्य भी प्रारंभ किया, मैने कुल 1800 थेलीयां भर कर नर्सरी बनाई परंतु गरमी के दिनों में नर्सरी व वाडी में पानी पिलाने की समस्या पैदा हो गई । परियोजना द्वारा पास वाले हेन्ड पम्प से एक नाली बनाकर मेरे खेत तक लाये व मेरे खेत में एक भुमिगत पानी की टंकी बनाई । हेन्ड पम्प के पास मेरे द्वारा बाथरूम का निर्माण किया गया था । वहां से पानी मेरे खेत तक बिलकुल निशुल्क आने लगा । और मेरी वाडी व नर्सरी दोनो के पौधे सुरक्षित रहे ।

मेरी नर्सरी में माह अप्रैल 07 से अगस्त 2007 तक कुल 5 माह में तीन फिट तक उंचाई वाले बैर,शिशम,देशी आंवले, निम के पौधे कुल 16500 तैयार हुए । और बायफ संस्था ने ही खरीद लिये । जिससे मुझे रूपये 41250 रूपये प्राप्त हुये । कुल खर्च मुझे शुद्ध आय 29400 की हुई ।

आज मुझे यह लग रहा है कि मेरे पास कुछ है और भविष्य में मेरी आय में और अच्छी बढोतरी होने वाली है। मै आने वाले वर्ष में कुल 50000 पौधे की नर्सरी लगाना चाहता हू, और कलमी पौधे भी तैयार करना चाहता हु । मै अभी कलम करने की जानकरी प्राप्त की ई और संस्था द्वारा उसका प्रशिक्षण भी लेने वाला हूँ।

मेरे परिवार में पलायन बिलकुल रूक गया है, मेरी दारू पीने की आदत बिलकुल बंद हो चूकी है। मेरे परिवार में दो समय की रोटी के अलावा बचत करने के लिए घनराशि उपलब्ध होने लगी है । ऐसा भी कह सकता कि परिवार की आय प्रति माह दो हजार से अधिक हो गई है ।

वर्तमान में मै मेरे जाति के गांव व अन्य वाले जो मेरा कहना मानते है, अनको संस्था का संदेश देता हुँ । मेरी तरह कुछ कार्य करने हेतु प्रेरित कर रहा हुं। संस्था का अन्य छोटा मोटा कार्य में भी मदद करने लगा हुं, जैसे कुछ सामग्री व बीज वितरण, मेरी नर्सरी में बायफ संस्था के अन्य पौधे की देखभाल करना, बैठक में सभी को बुलाने हेतु मदद करना ईत्यादि ।

आज मै यह भी महसूस कर रहा हु कि मेरा जीवन बदल रहा है। मै खुश हुं बायफ संस्था की वजह से... बायफ संस्था का बहुत बहुत धन्यवाद ।

नैनकीलाल /प्रभुलाल सहरिया
ग्राम गोरधनपुरा
तहसिल : किशनगंज,
जिला : बारां
बी.पी.एल. नंबर : 7508 /1997